पी.बी.एम. में ट्रोमा सेंटर सैकंड फ्लोर पर वार्ड बनाने को छत खोदी तो सरिए निकले

- ठेकेदार ने बीम के ऊपर दीवार उठाने के लिए वहां ट्रेंच खोदी तो आरसीसी की छत के सरिए निकल आए
- तोड़ा फोड़ी में छत में छेद हो गया, परिणाम स्वरूप बारिश होने पर पानी भरने से ट्रोमा के एक बड़े हिस्से में फाल्स सीलिंग गिर पड़ी
- अब छत को जगह-जगह से खोद कर छोड़ दिया है। भवन असुरक्षित स्थिति में है। बिल्डिंग का गेट खुला रहता है। रात के समय गलती से मरीज के परिजन छत पर चले गए तो हादसे के शिकार हो सकते हैं

बीकानेर,(कासं)। पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर पर सैकंड फ्लोर के निर्माण को लेकर विवाद छिड़ गया है। आरएसआरडीसी ने मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल को पत्र लिखकर स्वतंत्र एजेंसी से पूर्व में हुए निर्माण कार्य की जांच कराने की मांग की है। जबकि ट्रस्ट का कहना है कि ड्राइंग देखे बिना ही बिल्डिंग की छत को खोद दिया गया है।

दरअसल विधानसभा चुनाव की आचार संहिता से पहले तत्कालीन गहलोत सरकार ने प्रदेशभर में कई परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण किए थे। उनमें ट्रोमा सेंटर भी शामिल था। अब इसका पत्थर ही खंडित होकर कचरे में पड़ा है। इसके लिए 1.99 करोड़ का बजट मंजूर हुआ था। इस रकम से ट्रोमा सेंटर की छत पर दो वार्ड, लिफ्ट और रैम्प का निर्माण किया जाना है। निर्माण एजेंसी आरएसआरडीसी को बनाया गया। पहले टेंडर में कोई फर्म नहीं आई तो दूसरी बार टेंडर किए गए।

ठेकेदार ने पिलर तोड़कर सरियों वाले स्थान पर खुदाई शुरू कर दी। बीम के ऊपर दीवार उठाने के लिए वहां ट्रेंच खोदी तो आरसीसी की छत के सरिए निकल आए। तोड़ा फोड़ी में छत में छेद हो गया। परिणाम स्वरूप बारिश होने पर पानी भरने से ट्रोमा के एक बड़े हिस्से में फाल्स सीलिंग गिर पड़ी। पिछले 15-20 दिन से काम बंद है। दुबारा पानी ना जाए, इसलिए खोदे गए सभी पिलर को सीमेंट से बंद कर उन पर पॉलिथीन लगा दी गई है। आरएसआरडीसी ने हाल ही में मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल को पत्र लिखकर निर्माण कार्य की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराने का आग्रह किया है।

इस विवाद के चलते 15-20 दिन से ट्रोमा सेंटर का एक हिस्सा बंद पड़ा है, जिसका खमियाजा मरीजों को उठाना पड़ रहा है। जांच कराई तो सामने आया कि आरसीसी की छत को खोदना ही गलत था। भवन तीन मंजिला डिजायन किया गया है। ऐसे में कोई एजेंसी छत की मोटाई से समझौता नहीं करेगी। आरसीसी पर करीब सात इंच मोटी कंकरीट की लेयर है। ठेकेदार को काम शुरू करने से पहले भवन का नक्शा देखना चाहिए था। अब छत को जगह-जगह से खोद कर छोड़ दिया है। भवन असुरक्षित स्थिति में है। बिल्डिंग का गेट खुला रहता है। रात के समय गलती से मरीज के परिजन छत पर चले गए तो हादसे के शिकार हो सकते हैं।

ट्रोमा सेंटर में रोज 500 से अधिक मरीज आते हैं। आपातकालीन में रोज 250 लोग जख्मी हालत में आते हैं। करीब इतने की सर्जरी और ऑर्थो के आउटडोर में आ रहे हैं। फॉल्स सीलिंग गिरने के कारण वेटिंग एरिया, लैब कक्ष, आईसीयू और पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड बंद कर दिए गए हैं। इमरजेंसी वार्ड में ही गंभीर मरीजों को वेंटीलेटर पर लेटा रखा है, जहां संक्रमण का खतरा हर समय बना रहता है। क्योंकि वह एरिया खुला है।

चौबीस घंटे लोगों की आवाजाही रहती है। डॉक्टर्स का कहना है कि काम जितनी जल्दी पूरा होगा, गंभीर मरीजों के लिए आईसीयू फिर से शुरू किया जा सकेगा। चुन्नीलाल सोमानी ट्रोमा सेंटर का निर्माण कार्य 2010 में शुरू हुआ था। इसका आगे का भाग दानदाता और पीछे का निर्माण कार्य यूआईटी ने कराया था। इसके निर्माण पर करीब 18 करोड़ रूपए खर्च हुए थे।

बिल्डिंग को तीन मंजिला डिजायन किया गया था। लेकिन तीन साल पहले यूआईटी के पार्ट पर दो वार्ड बनाकर छोड़ दिए गए। जबकि ना रैम्प बनाया ना ही लिफ्ट लगाई गई। इससे दोनों वार्ड किसी काम नहीं आ रहे। सेंटर का विस्तार करने के लिए रोड सेफ्टी फंड से 1.99 करोड़ का बजट दिया गया है। इस रकम से ट्रोमा की छत पर दो और वार्ड, रैम्प, लिफ्ट लगाई जानी है। यह वार्ड पोस्ट ऑपरेटिव के लिए काम लिए जायेंगे।

कलेक्टर ने मरीजों से लिया फीडबैक : श्रीगंगानगर कलेक्टर डॉ. मंजू ने रविवार को राजकीय जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। लगभग 2 घंटे तक जिला चिकित्सालय का निरीक्षण करने के बाद जिला कलेक्टर ने चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि संवेदनशीलता के साथ रोगियों को केन्द्र और राज्य सरकार की समस्त स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उपलब्ध करवाया जाए।

जिला चिकित्सालय पहुंचकर कलेक्टर ने मेल-फीमेल सर्जिकल वार्ड, नशा मुक्ति वार्ड, रामाश्रय वार्ड, एमसीएच भवन, लेबर रूम, एसएनसीयू सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपचाराधीन रोगियों से भी बातचीत कर पूछा कि उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं, डॉक्टर नियमित रूप से आते हैं या नहीं, इलाज के लिए कोई राशि तो नहीं ली गई है।

इस दौरान रोगियों ने अवगत करवाया कि चिकित्सालय में उपचार के लिए कोई राशि नहीं ली गई है। डॉक्टर नियमित रूप से उपचार कर रहे हैं और इलाज भी बेहतर मिल रहा है। नशा मुक्ति वार्ड में उपचाराधीन रोगियों से भी जिला कलेक्टर ने पूछा कि वे नशा छोड़ने के लिए क्या प्रयास कर रहे हैं और उन्हें यहां क्या सुविधा मिल रही है। रामाश्रय वार्ड में बेहतर व्यवस्थाएं देख उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए बुजुर्गों से विस्तारपूर्वक बातचीत की। लेबर रूम में डॉक्टर्स से बातचीत करते हुए उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

निरीक्षण के पश्चात उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोगियों को केंद्र और राज्य सरकार की समस्त स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उपलब्ध करवाया जाए। चिकित्सालय परिसर में पर्याप्त साफ-सफाई रखी जाए। आवश्यक होने पर ही बाहर से दवाई और जांच करवाई जाए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा अधिकारी उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करते हुए रोगियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. दीपक मोंगा, डॉ. बलदेव सिंह, जैत कंवर गोयल, डॉ. राजेंद्र गर्ग, डॉ. सुनीता सहारण, डॉ. अनामिका अग्रवाल, डॉ. शिखा धींगड़ा सहित अन्य मौजूद रहे।

साहित्यकार शंकर सिंह राजपुरोहित सम्मानित

बीकानेर,(कासं)।प्रतिष्ठित राजस्थानी कवि एवं गीतकार शंकरसिंह राजपुरोहित को नई दिल्ली में प्रवासी राजस्थानियों की ख्यातनाम संस्था राजस्थान रत्नाकर ने अपने 50 वें स्थापना दिवस पर राजस्थानी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राजस्थान रत्नाकर के चेयरमैन राजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष राजस्थानी गीत लेखन के लिए रूपराम का राजस्थानी पुरस्कार बीकानेर के रचनाकार शंकरसिंह राजपुरोहित को प्रदान किया गया है। नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित संस्था के वार्षिक समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और पाली के सांसद पी. पी. चौधरी ने सम्मानित किया। समारोह में केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि शंकरसिंह राजपुरोहित के एक ही राजस्थानी व्यंग्य संग्रह म्रित्यु रासौ को राजस्थानी साहित्य जगत के सात प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं। इनमें राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी का शिवचंद भरतिया राजस्थानी गद्य पुरस्कार भी शामिल है। इससे पहले राजपुरोहित को मैथिली कथा संग्रह गणनायक के राजस्थानी अनुवाद के लिए केन्द्रीय साहित्य अकादमी नई दिल्ली का राजस्थानी अनुवाद पुरस्कार भी मिल चुका है। शंकर सिंह राजपुरोहित युवावस्था से ही राजस्थानी लेखन कर रहे हैं।

सार-समाचार

शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ

बीकानेर,(कासं)। 68 वीं जिला स्तरीय विद्यालयी शतरंज प्रतियोगिता रविवार को एनडी मॉडर्न सीनियर सैकण्डरी स्कूल के तत्वावधान में गवरा देवी गेस्ट हाउस में प्रारंभ हुई। प्रतियोगिताओं के अंडर 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग में 600 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास थे। उन्होंने कहा कि शतरंज का खिलाड़ी (शातिर) मानसिक रूप से बेहद परिपक्व होता है और पूरे आत्मविश्वास के साथ जीवन में आने-वाले उतार-चढ़ावों का सामना कर सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शतरंज के खिलाड़ियों का आगे आना बीकानेर के भविष्य की दृष्टि से अच्छे संकेत हैं। विधायक ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए कृत संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज हमारा देश वैश्विक स्तर पर खेलों में अनेक उपलब्धियां हासिल कर रहा है। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी खेलों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि शहर के खिलाड़ी इसे समझते हुए आगे बढ़ें तथा देश और दुनियां में बीकानेर का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि उप जिला शिक्षा अधिकारी (शारीरिक शिक्षा) अनिल बोड़ा ने कहा कि बीकानेर के अनेक खिलाड़ियों ने शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि स्कूली प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थी आने वाले समय में इस परंपरा को कायम रखेंगे। जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक हरिशंकर आचार्य ने कहा कि स्कूली प्रतियोगिताएं बच्चों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा पैदा करने का माध्यम होती हैं। स्कूलों को चाहिए कि वे अधिक से अधिक बच्चों को इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बीकानेर की खेल परंपरा पर प्रकाश डाला। इससे पहले विधायक व्यास ने मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। उन्होंने बाल शातिर के साथ मोहरे चलाते हुए प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। विद्यालय व्यवस्थापक श्रीमती संतोष व्यास ने आगंतुकों का आभार जताया तथा प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बीडी हर्ष ने किया। इस दौरान मोहर सिंह सलावद, संयोजक विद्यालय से सुनील हर्ष, शतरंज कोच भानु प्रकाश आचार्य, निर्णायक मंडल से ऋषिराज व्यास, भवानी शंकर आचार्य, गिरिजा शंकर हर्ष, डॉ. कृष्णा आचार्य मौजूद रहे।

घुटनों व जोडों के इलाज पर चर्चा

बीकानेर, (कासं)। आर्थोपेडिक सर्जन सोसायटी के तत्वावधान में रिद्धि - सिद्धि रिसोर्ट में दो दिवसीय मिडटर्न रोजाकोन 2024 सम्पन्न हो गया। कार्यक्रम की थीम 'जोड़ों के आंतरिक फेक्चर्स' का इलाज रखी गई थी। रोजाकोन का आगामी वार्षिक सम्मेलन आगामी वर्ष जनवरी में राजसमंद (उदयपुर) में आयोजन की घोषणा की गई। कांफ्रेंस के समापन पर रोजा के अध्यक्ष डॉ जसवंत सिंह ने कांफ्रेंस को बहुआयामी और अविस्मरणीय बताते हुए इसके अनुभवों का लाभ आम अवाम तक पहुंचाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि कांफ्रेंस में वैज्ञानिक एवं एकेडमिक अनुभव साझा किए गए। डॉ.जसवंब सिंह ने बताया कि दो दिन की कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने विशेष रूप से कूल्हे के जोड का प्रत्यारोपण, सर्जरी, एवं कलाई व कोहनी के जोडों के रिपेयर संबंधी आधुनिक तकनीक को साझा किया। इससे बीकानेर के चिकित्सकों को भी नई तकनीक के बारे में जानकारी मिलने से भविष्य में यहां के रोगियों को लाभ होगा विशेषज्ञों ने घुटनों व जोडों में रिपेयर की आधुनिक तकनीक पर भी चर्चा कर अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि कांफ्रेंस में पीजी स्टूडेंट ने पेपर प्रस्तुत किये उन्होंने बताया कि कांफ्रेंस में राज्यों के विभिन्न हिस्सों से 250 से अधिक डॉक्टरों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में रोजा के पूर्व सचिव डॉ जयंत सेन, डॉ. आर. पी. मीना, डॉ. आर. पी. लोहिया मनचस्श थे। कार्यक्रम में कोटा अस्पताल अधीक्षक डॉ आर. पी. मीना, एसएमएस अस्थिरोग विभागाध्यक्ष डॉ रमेश बंशीवाला, एसएमएस अस्पताल के पूर्व अधीक्षक डॉ डी. एस. मीना, नांदेड़ महाराष्ट्र के डॉ इंतेखाब आलम, राजीव गांधी अस्पताल नई दिल्ली के डॉ गोकुल वर्मा, भिवानी हरियाणा के डॉ संजीव जांगिड़, बच्चों के वरिष्ठ अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ कपिल गंगवाल, डॉ सीताराम गोदारा ने कांफ्रेंस के विभिन्न पक्षों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ बी. एल. खजोटिया ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुऐ कांफ्रेंस की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

फिजियोथैरेपी इलाज में कारगर

बीकानेर, (कासं)। फिजियोथेरेपी दिवस पर रविवार को सार्दुल कॉलोनी में मेडिसिन मार्केट के पास स्थित एडवांस फिजियो रीहैब सेंटर में रोगी-चिकित्सक संवाद आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में रोगियों को निशुल्क फिजियोथेरेपी का इलाज कर परामर्श दिया गया। फिजियोथेरेपी इलाज के संबंध में भ्रांतियों व शंकाओं को सेंटर की संचालक स्वर्ण पदक प्राप्त फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. श्वेता मोदी ने दूर कर फिजियोथेरेपी के इलाज के फायदे बताएं। मुख्य अतिथि बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम अग्रवाल थे। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि फिजियोथेरेपी बच्चों के शारीरिक जीवन विकास में कारगर रहती है। इससे बच्चों में ताकत, लचीलापन, संतुलन और कौशल में सुधार होता हैं। फिजियोथेरेपी से बच्चों का समग्र विकास होता है, जिससे वे दैनिक गतिविधियों व दिनचर्या को बेहतर बना सकते है। फिजियोथेरेपी से रैंगर चलने, बैठकर चलने, किसी चोट या आघात के बाद पुनर्वास से बच्चे सामान्य जीवन यापन कर सकते है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि फिजियोथेरेपी मेडिकल साइंस का एक हिस्सा है। एक्सरसाइज, हड्डी व मांसपेशियों के दर्द को दूर करने में, शारीरिक पुनर्वास के माध्यम से रोगी की गतिशीलता, कार्यक्षमता व स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। फिजियोथेरेपी चोट, बीमारी या विकलांगता से पीड़ित रोगियों के इलाज में भी कारगर रही है। एडवांश फिजियो रीहब सेंटर की संचालक फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. श्वेता मोदी ने बताया कि संवाद कार्यक्रम में मजबूती वाले व्यायाम, कोर मांसपेशियों (पेट और पीठ के नीचे हिस्से) को मजबूत करने वाले व्यायाम, योग और प्राणायाम, रीढ़ की हडड्डी की देखभाल का चिरोप्रैक्टिश चिकित्सा, गर्म और ठंडी थेरेपी, पोजिशन में सुधार व आहार सहित फिजियोथेरेपी के माध्यम से शारीरिक, विशेषकर हडिड्यों की बीमारियों के इलाज के बारे में जानकारी दी।

ऋषि पंचमी पर रक्षाबंधन मनाया

नोखा, (कासं)। नोखा क्षेत्र में कई जगहों पर रक्षा बंधन का पर्व ऋषि पंचमी के दिन मनाया जाता है। इसी परंपरा के तहत ऋषि पंचमी पर्व को रक्षाबंधन के रूप में माहेश्वरी समाज, ब्राह्मण समाज के सारस्वत समाज और दाधीच समाज में रविवार को मनाया गया। जिसमें बहनों ने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं देते हुए रक्षा का संकल्प दिलाया। कस्बे में रविवार को ऋषि पंचमी पर्व अंगीरा ऋषि जयंती के रूप में अनेक घरों में भव्य रूप से मनाया गया। नोखा के हिम्मटसर, रोड़ा, काकड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों में माहेश्वरी बंधुओं ने हर्षोल्लास के साथ ऋषि पंचमी पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। नोखा के ग्रामीण क्षेत्रों में इस दौरान बहनों ने ऋषि पंचमी की कहानी भी सुनकर भाई की लम्बी आयु की कामनाएं की।

लालगढ़ रेलवे स्टेशन के गुड्स शेड्स की दशा बदलेगी

- 70 करोड़ रुपए की लागत से बनेंगी दो वॉशिंग लाइनें, जनवरी तक शुरू होगा काम

बीकानेर,(कासं)। लालगढ़ रेलवे स्टेशन पर 70 करोड़ रूपए से दो वाशिंग लाइनें बनेंगी। इसके अलावा स्टेशन पर 18 गुना 700 मीटर के आकार का गुड शेड सीसी मॉल प्लेटफार्म तैयार होगा। इन दोनों पर कामों पर रेलवे 88 करोड़ 19 लाख रूपए खर्च करेगा।

लालगढ़ में वाशिंग लाइन बनने के बाद बीकानेर रेलवे स्टेशन पर आने वाली ट्रेनों को लालगढ़ तक बढ़ाया जा सकता है। ये दोनों काम अगले साल तक पूरे होने की उम्मीद है। लालगढ़ में दो वाशिंग लाइन बनने के बाद बीकानेर और लालगढ़ रेलवे स्टेशन पर अब चार वाशिंग लाइनें हो जायेगी। ऐसे में अब दोनों स्टेशनों से लम्बी दूरी की गाडियों भी शुरू हो सकेगी। वहीं लालगढ़ रेलवे स्टेशन पर बनाए गए गुड शेड के हालात ऐसी है कि बारिश के दिनों से यहां रखा सारा माल भीग जाता है। इसके अलावा यहां तक पहुंचने का रास्ता बहुत ही खराब है।

इसे देखते हुए लालगढ़ स्टेशन के गुड शेड के लिए रेलवे ने 18 करोड़ 19 लाख रूपए मंजूर किए हैं। यहां पर अब 18 गुना 700 आकार का एक प्लेटफार्म तैयार होगा। इसके अलावा सर्कुलेटिंग और वाहन पार्किंग एरिया में भी सुधार किया जायेगा। इसके अलावा आरओबी से आरडीआई तक पहुंचने के लिए 2 किमी रास्ते में स्ट्रीट लाइट लगाई जायेगी। इतना ही नहीं लाइन नंबर 13 पर रात के समय रोशनी हो इसके लिए 3 एक्स्ट्रा हाईमास्ट लाइटें लगाई जायेगी। यहां पर 10 गुना 350 मीटर का एक कैंटीलीवर शेड भी लगाया जायेगा। यहां बैठने वाले अधिकारी के लिए 5 गुना 5 साइज का एसी रूम होगा जिसमें बैठकर वह वहां आने वाले कस्टमर से बातचीत कर सके।

लालगढ़ रेलवे स्टेशन पर दो वाशिंग लाइन बनाने के लिए रेलवे ने बजट तो दे दिया लेकिन अभी तक यह तय नहीं हुआ कि वाशिंग लाइन कहां बनाई जायेगी। रेलवे अभी तक वाशिंग लाइन बनाने के लिए जगह की तलाश कर रही है।

महेश चंद जेवलिया, सीनिसर डीसीएम, बीकानेर ने बताया कि लालगढ़ रेलवे स्टेशन पर दो वाशिंग लाइनें अगले साल तक तैयार हो जायेगी। इसके अलावा मालगाडियों में आने वाले माल को सुरक्षित रखने के लिए भी प्लेटफार्म तैयार करवाया जायेगा। इन दोनों काम के लिए रेलवे की ओर से बजट मिल चुका है। अब टेंडर का काम होगा।

441 ग्राम गांजा के साथ दबोचा

श्रीगंगानगर,(कासं)। पुरानी आबादी पुलिस ने पदमपुर रोड पर कुंज विहार में युवक से 441 ग्राम गांजा बरामद किया। युवक यह गांजा लेकर पैदल जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को शहर में युवक के नशा लेकर आने की सूचना मिली। इस पर एसएचओ ज्योति नायक के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।

युवक पुलिस को देखकर घबरा गया। इस पर पुलिस टीम का शक पुख्ता हो गया। उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास 441 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस टीम ने उससे पूछताछ शुरू कर दी है। युवक यह गांजा हनुमानगढ़ में किसी व्यक्ति से लाया था। पुलिस ने अब हनुमानगढ़ में गांजे के सप्लायर के बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। आरोपी से यह भी पता करने का प्रयास किया जा रहा है कि इस इलाके में गांजा लाने के पीछे उसका क्या इरादा था। युवक का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। एसएचओ ज्योति नायक ने बताया कि युवक पर अवैध शराब रखने जैसे कुछ मामले दर्ज है।

स्कूली खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू

- पहले चरण में बैडमिंटन, शतरंज, तीरंदाजी के साथ कराटे की प्रतियोगिताएं हो रही है
- अधिकारी नहीं पहुंचे तो परेशान हुए खिलाड़ी

बीकानेर,(कासं)। प्रदेशभर में रविवार से स्कूली खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू हो गई हैं। पहले चरण में बैडमिंटन, शतरंज, तीरंदाजी के साथ कराटे की प्रतियोगिताएं हो रही हैं। बीकानेर में शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों के मैदान पर नहीं पहुंचने से खिलाड़ियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

बीकानेर में सबसे ज्यादा जोश शतरंज में देखने को मिल रहा है। दो साल पहले ही स्कूली खेलकूद में शामिल शतरंज के लिए बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने फॉर्म भरे हैं। यहां एनडी मॉर्डन स्कूल शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन करवा रही है। जहां नामांकन दाखिल करने की लास्ट डेट तक पांच सौ के आसपास खिलाड़ी दावेदारी कर चुके हैं। स्कूल प्रशासन ने एक मैरिज गार्डन व हॉल किराए पर लेकर इस आयोजन की शुरूआत की है। वहीं तीरंदाजी के मुकाबले माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में हो रहे हैं। बैडमिंटन के मुकाबले लोडा मोडा बगेची में हाल ही में तैयार हुए बैडमिंटन कोर्ट पर हो रहे हैं। उधर स्कूल प्रशासन खेलकूद व्यवस्थाओं को लेकर परेशान हुए। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन पैपा के राज्य समन्वयक गिरिराज खैरीवाल का आरोप है कि अधिकारी फोन तक नहीं उठा रहे हैं। खेल आयोजन स्थल और आयोजक स्कूल के बीच लम्बी दूरी है। बड़ी संख्या में लोग स्कूल पहुंच गए जहां ताला लगा हुआ है।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

- एडीएम ने कहा कि माणकरासर में खराब ट्यूबवैल सही होंगे

श्रीडूंगरगढ़, (कासं)। ग्राम पंचायत समन्दसर के अटल सेवा केन्द्र पर सरपंच धन्नी देवी की अध्यक्षता में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीना ने देर रात तक रात्रि चौपाल का आयोजन किया। उन्होंने ग्रामीणों की विभिन्न समस्याएं सुनी और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

ग्राम माणकरासर में दो ट्यूबवैल खराब होने की शिकायत पर उन्होंने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता को शीघ्र खराब ट्यूबवैल सही करवाने और इसकी पालना रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। माणकरासर एवं समन्दसर की विद्युत लाइन को ठीक करने के लिए जोधपुर डिस्कॉम के सहायक अभियंता ने 10-15 दिवस का समय मांगा। गांववासियों द्वारा सरकारी स्कूल में मिड-डे-मील में गड़बड़ी की शिकायत की। इस पर उन्होंने समस्त मामले की जांच कर रिपोर्ट भेजने के लिए सीबीईओ को निर्देश दिए।

एडीएम ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी नहीं होने एवं संस्थागत प्रसव की कमी पर विभागीय अधिकारियों के प्रति नाराजगी प्रकट की। प्रत्येक अधिकारी को आमजन के हित से जुड़े प्रत्येक कार्य समय पर करने होंगे।

ताले तोड़ बंद मकान में चोरी

बीकानेर,(कासं)। शहर के नयाशहर थाना इलाके में एक मकान में चोरी हुई है। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया जिसमें तीन युवक मोटरसाइकिल पर मुंह पर कपड़ा बांधे नजर आ रहे है। इस दौरान चोरों ने लोहे के सरियों से वार कर घर के ताले तोड़े और घर में घुस गए।

जानकारी मिली है कि कोठारी अस्पताल के पीछे रहने वाले भुवनेश व्यास के मकान में मध्य रात्रि अज्ञात चोर घुस गये और घर में सामान चोरी कर ले गये। हालांकि अभी तक इस बात का पता नहीं चला है कि कितने का सामान व क्या सामान गायब हुआ है। व्यास ने थाने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने मौका मुआयना कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले है। उसके आधार पर छानबीन की जा रही है। घर के मालिक विदेश में रहते हैं।

इसी सत्र में चालू होगा राजीव गांधी तरणताल

- जिला स्तरीय विद्यालयी बैडमिंटन और कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ

बीकानेर,(कासं)। 68 वीं जिला स्तरीय विद्यालयी बैडमिंटन और कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को जवाहर नगर स्थित एल. एम. स्पोर्ट्स काम्प्लैक्स में हुआ।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास थे। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चे खेलों से जुड़ेंगे। यह उनके सर्वांगीण विकास के लिए सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि मोहता मूलचंद विद्यालय में पढ़े विद्यार्थियों में देश भर में बीकानेर का नाम रोशन किया है। इसमें सुविधाओं की कमी नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने समग्र शिक्षा के माध्यम से विद्यालय में नए कक्षा कक्षा और शौचालय बनाने के लिए 61 लाख रूपए की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी तरणताल को इसी सत्र में प्रारंभ करवाने के प्रयास होंगे, जिससे शहरी क्षेत्र के बच्चों को तैराकी के लिए बेहतर प्लेटफार्म मिल सके।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेन्द्र शर्मा ने बताया कि स्कूल स्तरीय प्रतियोगिताओं के प्रति बच्चों का रूझान बढ़ा है। आने वाले समय में इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने जिले भर में आयोजित हो रही विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में बताया। स्कूल विकास एवं प्रबंधन समिति के सदस्य जे.पी. व्यास ने कहा कि शहरी क्षेत्र में खेलों की वृहद परंपरा रही है। शहरी परकोटे के कई खिलाड़ी देश और दुनियां में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। उप जिला शिक्षा अधिकारी (शारीरिक शिक्षा) अनिल बोड़ा ने विभाग की खेल गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। स्कूल प्राचार्य राजेश गोस्वामी ने बताया कि बैडमिंटन प्रतियोगिता में अंडर-17 और 19 आयु वर्ग की छात्र-छात्राएं तथा कुश्ती में अंडर 14, 17 और 19 आयु वर्ग की छात्र-छात्राएं भाग ले रही हैं।

पर्युषण महापर्व आत्म शोधन का पर्व, गीतिका से राग-द्वेष से मुक्त होने की प्रेरणा दी

- आज के दिन हमें संकल्प करना है कि हम आत्मा की उन कमियों और बुराईयों को दूर करना है जो हमारे मोक्ष मार्ग की बाधाएं है

बीकानेर, (कासं)। जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में तेरापंथ भवन मुनि श्रेयांस कुमार साध्वी चरितार्थ प्रभा एवं साध्वी प्रांजल प्रभा के सानिध्य में भगवती संवत्सरी महापर्व मनाया गया।

इस अवसर पर मुनि श्रेयांस कुमार ने कहा कि पर्युषण महापर्व आत्म शोधन का पर्व है। आज के दिन जिससे भी वैर- विरोध हुआ हो और उनसे खमत खामणा न हो तो श्रावक का श्रावकत्व चला जाता है। प्रत्येक व्यक्ति से, प्राणी मात्र से शुद्ध मन से निर्मल अन्तकरण से इस पावन पर्व के अवसर पर क्षमा याचना करके अपनी आत्मा को निर्मल पावन पवित्र बनानी चाहिए। मुनि श्री ने गीतिका के माध्यम से भी जनता को राग-द्वेष से मुक्त होने की प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर साध्वी चरितार्थ प्रभा ने कहा कि संवत्सरी का पर्व हमारे लिए महत्वपूर्ण पर्व है। संवत्सर का अर्थ है वर्ष। अर्थात साल में एक बार आने वाला दिन। आगम में इसका नाम पजुषणा आता है। इसका तात्पर्य है एक स्थान पर ठहरना। यह पहले साधु साध्वियों के लिए ही सीमित थी। भगवान महावीर स्वामी के बाद के आचार्यों ने कहा यह सभी प्राणियों के कल्याण का दिवस है। इसलिए आचार्यों ने इसे श्रावक श्राविकाओं के लिए त्याग, तप , ध्यान स्वाध्याय आदि अनुष्ठान से जोड़ा। तप चार प्रकार के होते हैं। शरीर का कायिक तप, वाचिक तप, मानसिक तप, भावनात्मक तप। मन की कुटिलता दूर हो, राग द्वेष दूर हो, लोभ कम हो, हमें सहिष्णुता की साधना करनी चाहिए। अहंकार को कम करने का प्रयास करना चाहिए। क्रोध को असफल करने का प्रयास करें।

आज के दिन हमें संकल्प करना है कि हम आत्मा की उन कमियों और बुराईयों को दूर करना है जो हमारे मोक्ष मार्ग की बाधाएं हैं। नैतिक जीवन और सुखी जीवन की बाधाएं हैं उन्हें भी दूर करने का प्रयास करना है। साध्वी जी एक श्लोक के माध्यम से बताते हैं कि खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा खमन्तु में, मिती में सव्वे भुएसु, वैरं मज्झ न केणइ। अर्थात मैं सभी जीवों को क्षमा करता हूं। सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरी समस्त जीवों से मैत्री है। मेरा कोई शत्रु नहीं, मेरा किसी से कोई वैर विरोध नहीं। खमत खामणा करने के लिए संवत्सरी का दिन सबसे उत्तम दिन है।

अत: सभी जीवों को अपने सम्यक दर्शन को ध्यान में रखकर आज के दिन सभी से अपनी बेर विरोध को भुलाकर ,नई शुरुआत करनी चाहिए । साध्वी प्रांजल प्रभा ने कहा कि लोग उपकार को भूल जाते हैं । एक बात होने पर गांठ पड़ जाती है ।आज के दिन हमें भूलना है और सभी गांठों को तोड़ देना है।साध्वी उदाहरण देकर समझते हैं कि जैसे फोन में कोई चीज रिकॉर्ड करते हैं तो, फोन में उसे डिलीट करने का ऑप्शन होता है। इस तरह हमारी जिंदगी में बहुत सी चीज रिकॉर्ड हो जाती है जो इरेज़ नहीं होती। इसलिए भगवान महावीर ने एक रास्ता बताया पर्यूषण महापर्व। आपने उपवास किया, पौषध किया, प्रत्याखान किया पर आपने सभी जीवों से क्षमा याचना सच्चे मन से नहीं की तो उन सभी का कोई अर्थ नहीं रहेगा। जितने धागे की, गले की और गाने की गांठ दुख नहीं देती उतनी बेर की गांठ दुख देती है। जिस तरह खमत खामणा जरूरी है। उसी तरह प्रायश्चित करना जरूरी है। प्रतिक्रमण किया और प्रायश्चित का भाव नहीं रखा तो उसका फल प्राप्त नहीं होगा। हमारी गति विराधक हो जाती है। खमत खामणा करने से पहले यह भाव नहीं आना चाहिए कि लोग क्या कहेंगे, बल्कि हमारी आत्मा क्या कहती है इस पर ध्यान देना चाहिए।

जैसा की आचार्य श्री तुलसी ने कहा यह जगने की वैला है अब ना सोना चाहिए। समय के पैर नहीं होते पंख होते हैं समय के साथ दौड़ना चाहिए। अपने कर्मों को संभालो और प्रायश्चित करो। आज का दिन आत्मनिरीक्षण का दिन है। तो आत्मा का निरीक्षण करे और पाप मुक्त होने की कोशिश करो। कार्यक्रम में मुनि विमल विहारी, मुनि प्रबोध कुमार ने अपने विचार व्यक्त किए।

नहर में डूबने से युवक की मौत

बीकानेर,(कासं)। इंदिरा गांधी नहर की चारणवाला ब्रांच में डूबने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। ये युवक फलौदी का रहने वाला था और पैदल यात्री संघ के लोगों से मिलने के लिए अपने गांव से यहां पहुंचा था। उसके शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

रणजीतपुरा पुलिस के अनुसार फलौदी के हरिपुरा जम्भेश्वर नगरी के रहने वाला 21 वर्षीय पेमाराम कुम्हार चारणवाला आरडी 80 पर नहाने चला गया। तभी उसका पैर फिसल गया और वो गहराई में चला गया, जहां से बाहर नहीं आ सका। उसे बचाने के लिए कुछ युवकों ने प्रयास किया लेकिन बचाया नहीं जा सका। जब उसे नहर से बाहर निकाला गया तब तक उसका दम टूट चुका था। अचानक हुई इस घटना से एक बार तो सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। मृतक के चाचा फूसाराम कुम्हार के परिवाद पर पुलिस ने उसके शव को मोर्चरी में रखवाया। जो बाद में परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से मौत

श्रीगंगानगर, (कासं)। ट्रेन के नीचे आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बारे में पता चला। मटीली राठान थाना के ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल सतपाल बिश्नोई जाब्ते सहित मौके पर पहुंचे। वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के बाद शव का मिर्जेवाला पीएससी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया। मृतक युवक के पिता की ओर से रिपोर्ट दी गई है। इसके आधार पर मर्ग दर्ज की गई है। मटीली राठान एसएचओ सुभाष बिश्नोई मामले की जांच कर रहे हैं। ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल सतपाल बिश्नोई ने बताया कि मटीली राठान निवासी 34 वर्षीय मोनू मजहबी सिख का शव गुरु की ढाणी के निकट रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत हालत में बरामद हुआ।

सर्वसाधारण को सुचनार्थ

मैं मेरा अभिभाष्य श्री बुलाकी राम सुथार पुत्र श्री हजारी राम निवासी गॉव दैराजसर, तहसील श्री डूंगरगढ बीकानेर वर्तमान मुम्बई के निर्देश पर में सर्वसाधारण को सूचित कर रहा हूं कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र मुकेश सुथार व उसकी पत्नी श्रीमती ज्योति पिछले काफी समय से मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है उनका व्यवहार कतई परिवार के अनुरूप नही है, लगातार प्रयास के बाद भी आचरण-व्यवहार में परिवर्तन नहीं होने से मेरी व मेरे परिवार की प्रतिष्ठा को भारी अघात पहुँच रहा है। किसी प्रकार से कार्य व्यवहार में परिवर्तन नही होने के कारण मजबुरन मेरा अभिभाष्य सदा के लिए अपनी समस्त चल-अचल सम्पति से बेदखल करता है। आज इस सुचना से सर्वसाधारण को सूचित किया जा रहा है कि मेरे अभिभाष्य के पुत्र मुकेश सुथार व पुत्रवधु श्रीमती ज्योति से कोई भी व्यक्ति, किसी भी प्रकार का व्यवहार, आर्थिक या सामाजिक करता है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। यह सूचना मैं मेरे अभिभाष्य के निर्देश पर सर्वसाधारण के लिए प्रसारित कर रहा हूं।

राजेश कुमार लदरेचा(एडवोकेट)
मोबाईल-9414372939